साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-09 अंक-103 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 23 जनवरी 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

Legal advice- मध्य प्रदेश में किस प्रकार के शपथ पत्र पर स्टाम्प नहीं लगता है जानिएं

जब हम किसी तहसील कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय या कोई भी न्यायालय जाते हैं और किसी अपील, आवेदन के साथ हमे शपथ पत्र देना होता है बहुत से लोगों से पदाधिकारी शपथ पत्र

को स्टाम्प पर लिखवाने के लिए बोलते हैं और जानकारी के अभाव में बहुत से लोग शपथ पत्र को स्टाम्प पर देते हैं लेकिन मध्यप्रदेश सरकार ने कुछ स्थानों पर शपथपत्र पर स्टाम्प शुल्क माफ किया हैं जानिए।

मध्यप्रदेश राजपत्र क्रमांक FB-4-29-2014 संशोधन अधिसूचना 2 जनवरी 2015 भारतीय स्टाम्प अधिनियम,1899 की धारा 9 की उपधारा (1) का खंड (क) राज्य सरकार को यह शक्ति देती है की वह स्टाम्प शुल्क में प्रदेश के निवासी को छूट प्रदान कर सकती है इसी आधार पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निम्न शपथ पत्र पर एवं लोगो को स्टाप शुल्क माफ करती है–

1. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के किसी भी सदस्यों द्वारा दिया गया प्रतिज्ञा शपथपत्र पर।
2. राज्य सरकार द्वारा संशोधित अधिसूचना क्रमांक एफ 8-5-25-4-84 दिनांक 26 दिसम्बर,1984 के अनुसार पिछड़ा वर्ग के किसी भी सदस्य द्वारा प्रतिज्ञा पर।
3. जाँच आयोग अधिनियम,1952 के अधीन केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा नियुक्त जाँच आयोग के समक्ष प्रस्तुत शपथ पत्र पर।
4. भोपाल गैस विभीषिका अधिनियम,1985 के अधीन शपथ पत्र पर।
5. सेना अधिनियम, 1950. नो सेना अधिनियम,1957. वायु सेना अधिनियम,1950 के अधीन भर्ती होने के लिए प्रस्तुत शपथपत्र पर।
6. किसी भी न्यायालय में या किस न्यायालय के अधिकारी के समक्ष फाइल किए जाने वाले शपथ पत्र पर।
7. पेंशन या पुण्यार्थ भत्ता प्राप्त करने के लिए दिए जाने वाले शपथ पत्र पर।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665*

मध्यप्रदेश सरकार की उद्योग हितैषी नीतियों से दावोस बैठक बनी महत्वपूर्ण

दावोस में नजर आया मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास की गति का सकारात्मक प्रभाव : मुख्यमंत्री

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पिछले 2 वर्ष में जितनी तीव्र गति से औद्योगिक विकास हुआ है उसका सकारात्मक प्रभाव दावोस में दिखाई दिया है। दावोस में विभिन्न क्षेत्रों के बड़े उद्योगपतियों और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें और चर्चा हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में विभिन्न इंटरशेनल कम्पनियों के साथ हुई बैठकों के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त की।

नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में देश का पावर हब बन चुका है मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 में भारत का सबसे बड़ा दल पहुंचा है। आज भारत सभी क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है और बहुत जल्द चौथी सबसे सशक्त आर्थिक ताकत से एक से डेढ़ वर्ष में विश्व में तीसरा स्थान हासिल कर लेगा। बदलाव के इस दौर में मध्यप्रदेश में सोलर एनर्जी, आईटी, टूरिज्म सहित सभी सेक्टर्स में विकास की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयासों के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में देश का पावर हब बन चुका है। प्रदेश में पंप स्टोरेज, सोलर एनर्जी और विंड एनर्जी उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है। ओंकारेश्वर में बांध के पानी पर सोलर प्लेट बिछाकर बिजली उत्पादन किया जा रहा है।

राज्य में 32 लाख किसानों को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर पंप बांटे जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि देश में नवकरणीय ऊर्जा के माध्यम से उत्पादित सबसे सस्ती बिजली मध्यप्रदेश उपलब्ध करवा रहा है। प्रदेश के इस मॉडल को समझने और अध्ययन करने के लिए लोग काफी उत्साहित हैं।

मालदीव के साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए तैयार है मध्यप्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दावोस इकोनॉमिक फोरम में मालदीव के मंत्री और अर्थशास्त्री डॉ. मोहम्मद सईद के साथ अलग-अलग विषयों पर चर्चा हुई। उद्योग क्षेत्र में साझोदारी के लिए डॉ. सईद ने बताया कि उनके देश में टूरिज्म के अलावा मत्स्य पालन, आईटी, हेल्थ जैसे अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति ने पूर्व में काफी ठोस निर्णय लिए हैं। मध्यप्रदेश सरकार मालदीव के साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आगामी समय में वे स्वयं मालदीव की यात्रा करेंगे और वहां विकास के लिए परस्पर साझेदारी की संभावनाओं को तलाशेंगे। मालदीव भी भारत के साथ मिलकर आगे बढ़ने में रुचि रखता है। मालदीव के स्थानीय लोगों और वहां रहने वाले भारतवंशियों के परस्पर बेहतर सांस्कृतिक संबंध हैं।

मध्यप्रदेश तेज गति से औद्योगिक विकास करने वाला सबसे युवा राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में एग्रीकल्चर पॉल्ट्री के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं हैं। भविष्य में इस दिशा में भी अन्य राज्यों के साथ व्यापार को आगे बढ़ाएंगे। मध्यप्रदेश के पास पर्याप्त लैंड बैंक है, पर्याप्त बिजली है। ट्रांसपोर्टेशन के मामले में भी हमारा राज्य, भारत के मध्य में स्थित होने के कारण अनुकूल है। अब कई क्षेत्रों के निवेशक मध्यप्रदेश का रुख कर रहे हैं। उद्योग एवं व्यापारिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए एमओयू हस्ताक्षरित हुआ है। मध्यप्रदेश सबसे तेज गति से औद्योगिक विकास करने वाला राज्य बना है। देश के 3 प्रमुख राज्यों ने औद्योगिक गति को बढ़ाया है, उनमें मध्यप्रदेश सबसे युवा राज्य है। बीते 2 वर्ष में राज्य सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश में बेरोजगारी दर एक प्रतिशत के आसपास आ गई है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए हो रहे प्रयासों के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं।

मुख्य सचिव श्री जैन ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर दिलायी शपथ

भोपाल।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की मंत्रालय सहित सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारियों को शपथ दिलायी। शपथ में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म,वर्ग , जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली गयी। मुख्य सचिव श्री

जैन ने सभी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएं भी दीं।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, श्री के.सी गुप्ता, श्री शिवशेखर शुक्ला सहित मंत्रालय वल्लभ भवन, सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित थे।

.अगर माता-पिता ने अपनी संपत्ति बच्चों को गिफ्ट या अन्य तरीके से ट्रांसफर की है, और बच्चे उनकी देखभाल, बुनियादी सुविधाएं या शारीरिक जरूरतें पूरी नहीं करते, तो ट्रांसफर को फ्रॉड, कोएर्शन या अनुचित प्रभाव मानकर रद्द किया जा सकता है।

Name-adv.sadhna mishra
Delhi,phon no- 9315288041

B.पहले कुछ उच्च न्यायालय (जैसे उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश) का कहना था कि गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से देखभाल करने की शर्त लिखी होनी चाहिए, तभी प्रॉपर्टी वापस ली जा सकती है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस सख्त व्याख्या को खारिज कर दिया और कहा कि कानून का उद्देश्य बुजुर्गों की सुरक्षा है, इसलिए उदार दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

C.ऐसे मामलों में मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल प्रॉपर्टी वापस करने, कब्जा दिलाने और जरूरत पड़ने पर बच्चों को बेदखल करने का आदेश दे सकता है।

NOTE यह मुख्य रूप से उन प्रॉपर्टी पर लागू होता है जो गिफ्ट या शर्त के साथ ट्रांसफर की गई हैं। सामान्य पैतृक या स्व-अर्जित संपत्ति पर वारिस का हक अलग कानूनों (जैसे हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम) से तय होता है, लेकिन देखभाल न करने पर मेंटेनेंस क्लेम जरूर किया जा सकता है।

वन विहार में अनुभूति कार्यक्रम आयोजित शिविर में पर्यावरण जागरूकता के लिये बच्चों को दिलाई शपथ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम वर्ष 2025-26 का आयोजन वन विहार राष्ट्रीय उद्यान,भोपाल में किया गया। अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों को वन, वन्य-प्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अनुभूति कराकर उनके संरक्षण के लिये जागरूक एवं सहभागिता के लिये प्रेरित करना है। साथ ही वन विभाग के कार्यों, उत्तरदायित्वों एवं चुनौतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के समन्वय से अनुभूति शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अनुभूति शिविर में गत वर्ष में ÷मैं भी बाघ÷ एवं ÷हम है बदलाव%% को जोड़ते हुये नई थीम ÷हम हैं धरती के दूत÷ के माध्यम से संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित प्रशिक्षण-सह-जागरूकता शिविर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बुधवार को अंतिम शिविर आयोजित किया गया। शिविर में शासकीय माध्यमिक शाला, अब्बास नगर, भोपाल के 59 छात्र-छात्राओं एवं 4 शिक्षकों ने भाग लिया।अनुभूति कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर के रूप में सेवानिवृत उप वन संरक्षक ए.के. खरे उपस्थित रहे। इस अवसर पर एक अन्य सेवानिवृत उप वन संरक्षक भी उपस्थित रहे। शिविर में शामिल हुए प्रत्येक बच्चे को अनुभूति बुक, अनुभूति बैग, केप, हर्बल किट, बटन वडी, पेन, वन विहार के ब्रोशर के साथ जलीय पक्षी, स्थलीय पक्षी, तितली प्रजाति और गिद्ध कुंजी के ब्रोशर भी प्रदान किये गये। विद्यार्थियों को मास्टर ट्रेनर एवं नवीन प्रेरकों द्वारा पक्षी दर्शन, वन्य-प्राणी दर्शन, प्रकृति पथ भ्रमण, स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों एवं फूड चैन की जानकारी प्रदान की गई। वन, वन्य-प्राणी व पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों कराई गई एवं जानकारी प्रदान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया। छात्र-छात्राओं को वन्य-प्राणियों को कैसे रेस्क्यू किया जाता है, इसके सम्बंध में वन विहार में उपलब्ध रेस्क्यू वाहन के माध्यम से रेस्क्यू टीम द्वारा अवगत कराया गया। इसका प्रतिभागियों ने गंभीरता के साथ भरपूर आनंद लिया। शिविर में वन, वन्य-जीव एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिये बच्चों को शपथ दिलाई गई एवं पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र भी वितरित किये गये।

गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह लाल परेड ग्राउंड पर सभी तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के मिले निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

संभागायुक्त संजीव सिंह ने बुधवार को लाल परेड ग्राउंड पर गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को राष्ट्रीय पर्व की सर्वोच्च गरिमा के अनुरूप उत्कृष्ट स्तर की व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिये। गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह आगामी 26 जनवरी को लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 24 जनवरी को होने वाली फुल ड्रेस रिहर्सल के दिन तक सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि समारोह में सम्मिलित होने वाले अतिथियों और आगंतुकों को कोई असुविधा नहीं हो। उन्होंने झांकियों के निर्माण कार्य की जानकारी लेते हुए प्रतिपल कार्यक्रम का पूर्णत- पालन के भी निर्देश दिए। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए शिक्षा और संस्कृति विभाग को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तुति निर्धारित समय में ही की जाएं।संभागायुक्त ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लाल परेड ग्राउंड में आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने वाले स्कूल के बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बस में एक जिम्मेदार व्यक्ति को बिठाया जाए, जिम्मेदारी के साथ बच्चों को सुरक्षित आना एवं पहुंचना सुनिश्चित करे एवं उनको स्वल्पाहार भी समय पर

मिले, आठ बजे तक सभी बस लाल परेड ग्राउंड पर पहुंच जाए, यह सुनिश्चित किया जाए। संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्कृति विभाग की झाकियों की नियत समय सीमा पर हो, झाकियों के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। बैठक में संभागायुक्त द्वारा लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, पुलिस, एसएएफ, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, संस्कृति एवं अन्य विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर उनके द्वारा अब तक की गई तैयारियों के संबंध में पूछताछ की तथा निर्देश दिए कि शेष रहे कार्य तत्काल पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

लेब ग्रोन और नेचुरल डायमंड में अंतर करना आम आदमी के लिए अत्यंत मुश्किल जानें कैसे करें पहचान?

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

लेब ग्रोन डायमंड (प्रयोगशाला में बने हीरे) और प्राकृतिक हीरे में अंतर करना आम आदमी के लिए बहुत ही मुश्किल है। क्योंकि रासायनिक और भौतिक रूप से दोनों एक जैसे होते हैं, लेकिन अंतर पहचानने के लिए एक्सपर्ट्स सर्टिफिकेट, हीरे की बेल्ट पर लिखे लेजर इंस्क्रिप्शन जैसे Lab-grown या LG और विशेष लैब टेस्ट का इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि प्राकृतिक हीरे में नाइट्रोजन होता है और लैब में बने हीरे में नहीं, साथ ही लैब में बने हुए हीरे सस्ते होते हैं और उनकी रीसेल वैल्यू कम होती है। मुख्य अंतर और पहचान के तरीके तथा रासायनिक संरचना प्राकृतिक हीरे का निर्माण होते समय इनमें नाइट्रोजन के सूक्ष्म कण आ जाते हैं। प्रयोगशाला में बने हीरे में नाइट्रोजन नहीं होता, जो जेमोलॉजिस्ट रत्न विशेषज्ञ की पहचान का एक तरीका है। लैब में बने और प्राकृतिक हीरे के बीच के अंतर लेजर

इंस्क्रिप्शन के द्वारा पहचाना जा सकता है।अक्सर लैब ग्रोन डायमंड की किनारे पर "Lab-grown", "LG" या "CVD" जैसे शब्द लेजर से लिखे होते हैं, जिन्हें मैग्नीफाइंग ग्लास से देखा जा सकता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि सभी डायमंड पर यह नहीं होता और खराब इरादे वाले विक्रेता इसे मिटा भी सकते हैं, इसलिए यह अकेला तरीका नहीं है। हर असली हीरा चाहे प्राकृतिक हो या लैब निर्मित उसका एक ग्रेडिंग सर्टिफिकेट (जैसे GIA से) होता है, जिस पर उसकी उत्पत्ति लिखी होती है। यह सबसे आसान और विश्वसनीय तरीका है। कीमत लैब ग्रोन डायमंड, नेचुरल डायमंड की तुलना में काफी सस्ते 40-50 प्रतिशत तक कम होते हैं, क्योंकि वे आसानी से बनाए जा सकते हैं।विशेषज्ञ परीक्षण केवल विशेष लैब उपकरण और टेक्नोलॉजी से ही इन दोनों में सटीक अंतर पता किया जा सकता है, क्योंकि दिखने में दोनों एक जैसे लगते हैं आँखों से या साधारण मैग्निफायर से पहचानना असंभव है। संक्षेप में कुछ और तरीके जिनसे पता किया जा सकता है। प्राकृतिक हीरे प्रकृति में लाखों सालों में बने, महंगे, नाइट्रोजन युक्त, सर्टिफिकेट पर 'Natural' लिखा होता है। जबकि लेब निर्मित हीरे प्रयोगशाला में कुछ हफ्तों में बने, सस्ते, नाइट्रोजन रहित, सर्टिफिकेट पर 'Lab-grown' लिखा होगा, अक्सर बेल्ट हीरे के किनारे पर इंस्क्रिप्शन होता है। असली हीरा कठोर, चमकदार, पानी में डूबने वाला और अखबार के अक्षर आर-पार न दिखने वाला होता है, जो प्रकाश को तीव्र रूप से परावर्तित करता है और भाप जमने पर तुरंत गायब हो जाती है,यह गर्म करने और फिर ठंडे पानी में डालने पर भी नहीं टूटता, जबकि नकली हीरा अक्सर कमजोर, पानी पर तैरने वाला, धुंधला और गरम करने पर चटक सकता है। असली हीरे की पहचान पानी का परीक्षण असली हीरा भारी होता है और पानी में डालने पर डूब जाता है, जबकि नकली हीरे अक्सर पानी पर तैरते हैं। हीरे को अखबार पर रखकर उसके आर-पार पढ़ने की कोशिश करें यदि अक्षर धुंधले या अपठनीय दिखें, तो हीरा असली है। भाप परीक्षण हीरे पर मुंह से भाप छोड़ें असली हीरा तुरंत साफ हो जाता है, जबकि नकली पर भाप जम जाती है।चमक और आग परीक्षण असली हीरा सफेद रोशनी को परावर्तित कर तीव्र चमक और इंद्रधनुषी रंग बिखेरता है। कठोरता और गर्मी परीक्षण असली हीरा बहुत कठोर होता है इसे गर्म करके तुरंत ठंडे पानी में डालने पर यह नहीं टूटता, जबकि नकली चटक सकता है। कोने से देखें हीरे के नुकीले कोनों से देखने पर अंदर से रंगीन रोशनी दिखाई दे सकती है। असली हीरे की विशेषताएं अत्यधिक कठोर और खरोंच प्रतिरोधी होता है। प्रकाश को असाधारण रूप से परावर्तित करता है, जिससे तीव्र चमक आती है। इन घरेलू परीक्षणों से आप काफी हद तक असली और नकली हीरे में अंतर किया जा सकता हैं, लेकिन सटीक पहचान के लिए हमेशा पेशेवर जौहरी की सलाह लेना सबसे अच्छा है।

अजाक्स के प्रदेश अध्यक्ष, IAS संतोष वर्मा के समर्थन में भोपाल में ऐतिहासिक महाप्रदर्शन, एक मंच पर दिखे ओबीसी महासभा, भीम आर्मी और जयस

संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ, जन आक्रोश महा रैली

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय संवाददाता

भोपाल –अजाक्स के प्रदेश अध्यक्ष IAS संतोष वर्मा के समर्थन में शनिवार को राजधानी भोपाल के भेल दशहरा मैदान में एक ऐतिहासिक और विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में ओबीसी महासभा, भीम आर्मी और जय आदिवासी युवा शक्ति (JAYS) पहली बार एक ही मंच पर एकजुट नजर आए। प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य IAS संतोष वर्मा की बहाली सहित सामाजिक न्याय, आरक्षण संरक्षण और पिछड़े, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करना रहा। कार्यक्रम में प्रदेशभर से लाखों की संख्या में ओबीसी, अनुसूचित जाति और जनजाति समाज के लोग शामिल हुए, जिससे पूरा भेल दशहरा मैदान जनसैलाब में तब्दील हो गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि IAS संतोष वर्मा ने हमेशा वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया है और उनके साथ अन्याय स्वीकार नहीं किया जाएगा। संगठनों ने एक स्वर में मांग की कि संतोष वर्मा को शीघ्र बहाल किया जाए और समाज के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। प्रदर्शन के दौरान सामाजिक एकता, संविधान की रक्षा और अधिकारों के संरक्षण को लेकर जोरदार नारेबाजी की गई। आयोजकों ने इसे सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक एकजुटता बताया और चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उदयपुरा में स्वामी विवेकानंद जयंती पर करियर गाइडेंस व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय संवाददाता

उदयपुरा/रायसेन – अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इकाई उदयपुरा, जिला रायसेन द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में करियर गाइडेंस एवं आनंदमय, सार्थक छात्र जीवन विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अचीवर्स पॉइंट कॉमर्स कोचिंग में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री बृजगोपाल लोया उपस्थित रहे। विशेष वक्ता के तौर पर श्री राहुल रघुवंशी जी, कोचिंग संचालक श्री निशांत जैन जी तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य श्री रमाकांत चौहान भी मंचासीन रहे। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित होकर करियर निर्माण, अनुशासित जीवन एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

ग्रामीण विकास अनुसूचित समिति द्वारा भोपाल में आयोजित किया गया मुफ्त नेत्र शिविर

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय संवाददाता

भोपाल। ग्रामीण विकास अनुसूचित समिति के श्री विजय सिंह के नेतृत्व में भोपाल में एक मुफ्त नेत्र जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को आवश्यक नेत्र देखभाल सेवाएँ प्रदान करना था।

यह शिविर सेवा सदन नेत्र अस्पताल, बैरागढ़, और एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन के विशेष सहयोग से आयोजित किया गया था। सैकड़ों रोगियों के लिए संपूर्ण नेत्र परीक्षण और परामर्श आयोजित करने के लिए वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञों और चिकित्सा पेशेवरों की एक समर्पित टीम मौजूद थी।

शिविर के मुख्य आकर्षणों में शामिल हैं- रोगी स्क्रीनिंग- विभिन्न नेत्र रोगों के लिए कई रोगियों की स्क्रीनिंग की गई।

मोतियाबिंद की पहचान- कई रोगियों में मोतियाबिंद सर्जरी की आवश्यकता पाई गई और उन्हें आगे के इलाज के लिए सेवा सदन अस्पताल भेजा गया।

अतिरिक्त सेवाएँ- दृष्टि स्क्रीनिंग के साथ-साथ, सभी उपस्थित लोगों के लिए मुफ्त रक्तचाप और मधुमेह की जांच भी की गई।

लॉजिस्टिक्स- सर्जरी के लिए पहचाने गए लोगों के लिए मुफ्त आवास, भोजन, दवा और परिवहन की व्यवस्था की गई थी।

शिविर में उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में स्थानीय प्रतिनिधि, बालाजी अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. महेश गुप्ता, और भोपाल उत्सव मेला समिति के सदस्य शामिल थे। आयोजकों ने इस आयोजन को एक सार्थक सफलता बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों और चिकित्सा कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भोपाल में लघु वनोपज सहकारी संघ की प्रबंध संचालक के खिलाफ जनप्रतिनिधियों का विरोध, सौंपा ज्ञापन

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ भोपाल की प्रबंध संचालक श्रीमती डॉ. समिता राजौरा पर अत्याचार और दमनकारी नीति अपनाने के गंभीर आरोप लगे हैं। इन्हीं आरोपों से परेशान होकर प्रदेश के 10 निर्वाचित जनप्रतिनिधि–जिनमें जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियनों के अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रतिनिधि शामिल हैं– आज भोपाल पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्रियों के नाम ज्ञापन सौंपते हुए प्रबंध संचालक द्वारा अपनाई जा रही कथित दमनकारी नीति, मनमानी कार्यशैली और जनप्रतिनिधियों के साथ किए जा रहे अत्याचारों से शासन-प्रशासन को अवगत कराया। ज्ञापन में मांग की गई कि मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि सहकारी संस्थाओं का कार्य सुचारू रूप से चल सके। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि लंबे समय से वे समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे थे, लेकिन सुनवाई न होने के कारण अब खुलकर मैदान में आना पड़ा है। उनका आरोप है कि प्रबंध संचालक के रवैये से सहकारी संघों का कामकाज प्रभावित हो रहा है और जनहित की योजनाएं बाधित हो रही हैं। इस घटनाक्रम के बाद प्रदेश स्तर पर हलचल तेज हो गई है और आने वाले दिनों में विरोध और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

दिव्यांगों को लगेंगे निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक प्रोस्थेटिक्स हैंड्स स्वास्थ्य विभाग का 26 और 27 जनवरी को विशेष शिविर

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा 26 और 27 जनवरी को आयोजित विशेष शिविर में निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक प्रोस्थेटिक्स हैंड्स लगवाए जाएंगे। बिना हाथ के जन्मे या दुर्घटना में हाथ का निचला हिस्सा गंवाने वाले लोगों को ये कृत्रिम हाथ लगाए जाएंगे। ये शिविर इनाली फाउंडेशन के सहयोग से लगाया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ये महत्वपूर्ण पहल राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत की गई है। इस कृत्रिम हाथ के माध्यम से दैनिक कार्य जैसे वस्तुओं को पकड़ना, खाना, लिखना, डिजाइन जैसे कार्य आसानी से किए जा सकते हैं। ये डिवाइस 15 साल से ऊपर के व्यक्तियों को लगाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा ने बताया कि ऐसे लोग जिनके कोहनी से निचला हिस्सा नहीं है वे नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र अथवा स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं। जिला चिकित्सालय परिसर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में भी संपर्क किया जा सकता है।

शिक्षा और सुविधाओं में निजी स्कूलों को मात देंगे सरकारी विद्यालय- राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल

थानगांव में 147 लाख की लागत से नवनिर्मित हाई स्कूल भवन का लोकार्पण, शिक्षकों से किया आह्वान

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर।

मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने ग्राम थानगांव में शिक्षा के नए अध्याय की शुरुआत की। उन्होंने ?1.47 करोड़ की लागत से तैयार अत्याधुनिक हाई स्कूल भवन का लोकार्पण करते हुए कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज सरकारी स्कूलों में निजी विद्यालयों से भी बेहतर व्यवस्थाएं मौजूद हैं। थानगांव का यह नया भवन आधुनिक कक्षाओं और बेहतरीन सुविधाओं से लैस है, जो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

परंपरा और आधुनिकता का संगम

प्रदेश के हर जिले में सांदीपनीय विद्यालयों की स्थापना को लेकर श्री जायसवाल ने बड़ी बात कही। उन्होंने बताया कि यह पहल उज्जैन के सांदीपनि आश्रम की शिक्षा परंपरा से प्रेरित है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में इन स्कूलों के जरिए छात्र भगवान श्रीकृष्ण की तरह विद्या अर्जन करेंगे।इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन को सार्थक बनाना और उन्हें सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

शिक्षकों की जिम्मेदारी सपनों को दें नया आकार

मंत्री दिलीप जायसवाल ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता की भूमिका याद दिलाते हुए कहा कि सिर्फ भवन निर्माण काफी नहीं है, असली निर्माण शिक्षक करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे आधुनिक युग की चुनौतियों को देखते हुए बच्चों को ऐसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें कि वे जिला, प्रदेश और देश स्तर पर अनूपपुर का नाम रोशन कर सकें।

समय पर निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग की सराहना

कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण विभाग (भवन) के कार्यपालन यंत्री प्रभात लोरिया और उनकी टीम की प्रशंसा की गई। मंत्री ने कहा कि निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण करना विभाग की सजगता को दर्शाता है। लोकार्पण के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष जीवन सिंह, जिला पंचायत सदस्य रिंकू मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और बच्चे मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना उन्मुखीकरण ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

प्रधानमंत्री महाविद्यालय शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना उन्मुखीकरण ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसी विशेष शिविर की विशेषताओं से कार्यक्रम अधिकारी डॉ ईरा वर्मा ने अवगत कराया राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का विद्यार्थियों के महाविद्यालय विद्यार्थियों के जीवन में विशेष महत्व है वे सात दिनों में समाज के लिए समुदाय के लिए गांव के लिए ग्राम वासियों के लिए जन जागरूकता राष्ट्रीय एकता सांप्रदायिक सद्भावना सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरुक करते हैं सब बराबर सबके अधिकार बराबर सबके लिए सद्भावना सबके विकास की शुभकामना का विकास करते हैं स्वच्छ भारत अभियान से ग्राम वासियों को जोड़ते हैं स्वच्छ जल के प्रयोग की प्रेरणा देते हैं पर्यावरण जन जागरूकता की जागृति का प्रचार प्रसार करते हैं जिससे देश की एकता का विकास हो सामुदायिक सद्भावना का विकास हो सबको न्याय मिले नशा मुक्त भारत स्वच्छ भारत का निर्माण हूं प्राचार्य डॉक्टर आरके चौक से ने कहा विशेष शिविर में रहकर ही विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है कार्यक्रम में बालिकाओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर नाटक की प्रस्तुति दी तथा बेटियों को स्कूल भेजना की आवश्यकता का महत्व बताया

ट्रैप की नवीन नीति

ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट विदेश नीति अत्यधिक आक्रमक विस्तारवादी युद्ध प्रिय और लेनदेन वाली हो गई है। नियो इंपिरियलिज्म सैनिक हस्तक्षेप ट्रंप की विशेषता बन चुकी है हाल ही में वेनेजुएला पर बमबारी निकोलस मधुरो को पकड़ना वेनेजुएला की निगरानी करना किसी से छुपा नहीं है न्यू इंपिरियलिज्म ट्रंप की वर्तमान विशेषता है उन्होंने ग्रीनलैंड को सैन्य बल से नियंत्रित करने ग्रीनलैंड को खरीदने के प्रयास शुरू कर दिए हैं भारत के साथ तनातनी विशेष कर व्यापारिक तनाव बढ़ा लिया है भारतीय वस्तुओं पर 50न्न टैरिफ बढ़ा दिया है चीन से आर्थिक प्रतिद्वंदिता चीन को डराने धमकाने की नीति चल रही है ईरान को भी सबक सिखाने का अमेरिका का इरादा पूरे विश्व में जग जाहिर है ईरान में शासन के खिलाफ प्रदर्शनकारियों को अमेरिका खुलकर सपोर्ट कर रहा है मुस्लिम भाईचारे के संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है अमेरिका ने विश्व से आतंकवाद का विनाश करने का संकल्प ले लिया है रूस ब्राजील और भारत ईरान सहित 75 देशों के लिए वीजा प्रक्रिया कठिन कर दी गई है भारतीयों को अमेरिका से खदेड़ा जा रहा है अमेरिका ने बहु पक्षी संस्थाओं से दूरी बना ली है द्विपक्षी समझौता और संधियों में विश्वास कर रहा है संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से अमेरिका ने दूरी या बढ़ा ली है तथा फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों की फंडिंग रोक दी चीन और ईरान के प्रति अमेरिका ने आक्रामक रूप अपनाया है चीन का आर्थिक बंटाधार करने और ईरान को सबक सिखाने का प्रयास चालू कर दिया है नाटो सहयोगी देशों के प्रति लेनदेन वाला रवैया अमेरिका ने अपनाया है कई बार नाटो को छोड़ देने की धमकी अमेरिका दे चुका है ग्रीनलैंड को अमेरिका कब्जा करना चाहता है तथा ग्रीनलैंड का प्रयोग वह चीन और रूस के खिलाफ सामरिक सुरक्षा के लिए करना चाहता है ट्रंप के नए वीजा प्रतिबंध के तहत दक्षिण एशिया लैटिन अमेरिका भारत अफ्रीका के लगभग 75 देशो के वीजा प्रभावित हुए हैं अब अमेरिका की यात्रा करना कठिन हो चुकी है ट्रंप मैं फिलिस्तीन और इजरायल शांति समझौते को पूरा करने पर जोर दिया है अब्राहम अकॉर्ड का विस्तार करने का प्रयास किया है ईरान में शासन का परिवर्तन करने ईरान को सबक सिखाने के लिए धमकी देने में अमेरिका लगा हुआ है अमेरिका ने कोलंबिया मेक्सिको कड़े प्रतिबंध लगाने तथा कार्यवाही करने की धमकी दी है पाकिस्तान को भी आतंकवाद समाप्त करने की धमकियां दी जा चुकी है ईरान के परमाणु स्थल पर हमला भी अमेरिका ने किया है ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की यह विशेषता उभर कर सामने आई की विश्व की नंबर एक महाशक्ति विश्व का एक ध्रुवीकरण करने में ट्रंप ने कोई कसर नहीं छोड़ी है वह अमेरिका को सर्वश्रेष्ठ सर्वशक्तिमान सर्वशक्तिशाली महाशक्ति के रूप में सैन्य शक्ति के रूप में अर्थशक्ति के रूप में प्रतिष्ठित करना चाहते हैं किंतु नंबर वन बनने की तमन्ना में मानवता का गला घुटने में ट्रंप किसी भी हद तक जा सकते हैं भले ही विश्व की नंबर एक महाशक्ति अमेरिका बन जाए किंतु पूरे विश्व तथा विश्व की मानवता की रक्षा करना मानव प्रजाति को आतंकवादियों से बचाने में सहयोग तो करना ही होगा द्य

डाक्टर इरा वर्मा पीएम श्री नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम

जमुना कालरी में गूंजा हिंदू एकता का जयघोषः विराट हिंदू सम्मेलन में संतों ने दिया 'पंच परिवर्तन' और सामाजिक समरसता का मंत्र

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ
अनूपपुर जमुना कालरी।

जमुना कालरी क्षेत्र आज भगवामय हो गया। यहाँ आयोजित 'विराट हिंदू सम्मेलन' में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम की शुरुआत राम जानकी मंदिर से एक भव्य रैली के रूप में हुई। यह विशाल शोभायात्रा पूरे जमुना कालरी क्षेत्र का भ्रमण करते हुए स्टाफ दुर्गा पंडाल पहुंची, जहाँ इसने एक ऐतिहासिक धर्मसभा का रूप ले लिया।

सम्मेलन में उपस्थित संतों और वक्ताओं ने हिंदू समाज को संगठित होने, पारिवारिक मूल्यों को बचाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया

'राम राज्य चाहिए तो राम के पथ पर चलना होगा'

कथा वाचक जया मिश्रा ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि केवल 'राम राज्य' की कामना करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि राम के दिखाए मर्यादा के मार्ग पर चलना भी होगा। उन्होंने समाज में व्याप्त ईर्ष्या और द्वेष पर प्रहार करते हुए कहा, हम रामायण और भागवत को तो मानते हैं, लेकिन रामायण और भागवत 'की' नहीं मानते। जब तक हमारे मन से एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या खत्म नहीं होगी, हिंदू समाज एक नहीं हो सकता उन्होंने पारिवारिक एकता को राष्ट्र की एकता की नींव बताते हुए कहा कि यदि घर में भाई-भाई के बीच दीवार खड़ी होगी, तो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का सपना कभी पूरा नहीं हो सकता।

शास्त्र ही सनातन का आधार, संगठित होना समय की मांग

पंडित हरीनारायण मिश्रा ने सनातन धर्म की वैज्ञानिकता और परंपराओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मनगढ़ंत बातों के बजाय हमारे ऋषियों द्वारा लिखित धर्मग्रंथ ही हमारे जीवन का आधार होने चाहिए। वर्ण व्यवस्था और सामाजिक समरसता पर बोलते हुए उन्होंने शरीर के अंगों का उदाहरण दिया। उन्होंने समझाया कि जिस प्रकार हाथ, पैर और आँखों का कार्य अलग है लेकिन वे एक ही शरीर का हिस्सा हैं,

उसी प्रकार हमारी जातियां अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारा मूल 'सनातन' एक है। उन्होंने आह्वान किया कि धर्म पर होने वाले आघातों का मुकाबला करने के लिए समाज को एक मुट्ठी बनकर खड़ा होना पड़ेगा।

'कुटुंब प्रबोधन' और 'प्लास्टिक मुक्त भारत' का आह्वान

महाकौशल प्रांत के सेवा प्रमुख आत्माराम दीक्षित ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'पंच परिवर्तन' के सूत्र को विस्तार से समझाया। उन्होंने डॉ. हेडगेवार के संघर्षों को याद करते हुए वर्तमान समय में संयुक्त परिवार (कुटुंब प्रबोधन) की आवश्यकता पर जोर दिया श्री दीक्षित ने समाज के गिरते नैतिक मूल्यों पर चिंता जताते हुए एक व्यावहारिक सलाह दी- परिवार को कम से कम भोजन के समय टीवी और मोबाइल को 'पार्किंग' में लगाकर एक साथ बैठना चाहिए और सुख-दुःख साझा करना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए 'पन्नी (प्लास्टिक) मुक्त भारत' बनाने और हर घर में वृक्षारोपण करने का संकल्प दिलाया, ताकि गौ माता और प्रकृति दोनों की रक्षा हो सके। इस विशाल समागम में उमड़ी भीड़ और वक्ताओं के विचारों ने क्षेत्र में धर्म और राष्ट्रभक्ति की एक नई अलख जगा दी है।

कविता

साथ चलना मेरे

मेरा ग़म तुम्हें अपना लगे, तो साथ चलना मेरे,
मेरी खामोशी की आहट समझ सको, तो साथ चलना मेरे।
मेरी परेशानी से अगर दिल तुम्हारा भी भारी हो जाए,
मेरे दर्द में अपना सा कोई अक्स दिख जाए, तो साथ चलना मेरे।

कवित्री दीप्ति बाजपेई जगदलपुर बस्तर छत्तीसगढ़

मेरी उलझी राहों को सुलझा सको अपने विश्वास से,
मेरे डर को ढक सको अपने साहस और प्रयास से।
मेरे मन की भाषा बिन कहे पढ़ सको अगर तुम,
मेरी आँखों की नमी पहचान सको अगर तुम, तो साथ चलना मेरे।
मैं भी चलूँगी साथ तुम्हारे हर सुख-दुख की घड़ी में,
तुम्हारे ग़मों को बाँट लूँगी अपनी हर एक लड़ी में।
तुम थक जाओ अगर राहों में, तो मैं बनूँगी सहारा,
तुम गिर जाओ अगर कभी, तो थाम लूँगी हाथ तुम्हारा।
जो वादे मैं अपने लिए रोज़ खुद से करती हूँ,
उन्हीं वादों पर तुम्हारे लिए भी पूरी ईमानदारी रखती हूँ।
मैं चाहती हूँ जो सच, जो सम्मान, जो भरोसा,
वही सब तुम्हारे जीवन में भी हो, यही है मेरी आशा।
तुम मेरे और मैं तुम्हारी अगर पहचान बन सकें,
दो अलग रास्ते मिलकर एक कहानी लिख सकें।
मैं सहयोगी बनकर चलूँ, तुम साथी बन सको अगर,
इस रिश्ते को समझ सको, निभा सको अगर,
तो हाथ बढ़ाकर कहना मुझसे,
हाँ, मैं भी साथ चलूंगा तेरे।
हर मोड़, हर सच, हर सपना लेकर,
ज़िंदगी की राहों में

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई अनूपपुर ने मनाया कर्तव्य बोध दिवस

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर।

अनूपपुर/मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला कार्यकारिणी अनूपपुर के तत्वाधान में पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल दुलहरा में दिनांक 21/01/2026 को कर्तव्य बोध दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री अनिल कुमार सिंह प्रदेश संयोजक जनजातीय कार्य विभाग जी रहे। सर्व प्रथम आए हुए अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मां सरस्वती बंदना का गायन पंडित प्रणय कुमार त्रिपाठी जी के द्वारा मनमोहक ढंग से किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत का प्रस्तुतीकरण किया। श्री अनिल कुमार सिंह द्वारा सभी उपस्थित शिक्षकों को अपने मौलिक कर्तव्यों से अवगत कराया तथा उन्होंने कहा कि यदि हम अपने कर्तव्य का पालन करते हैं तो अपने आप ही किसी के अधिकार का सम्मान हो जाता है। राष्ट्र भावना, राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत उनका यह संबोधन बहुत ही प्रेरणा दायक रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार सिंह,संस्था के विद्वान प्राचार्य राजीव श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्राधानाध्यापक रामभरोसे प्रजापति , कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संजय निगम जी को अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ द्वारा जारी शैक्षिक कैलेण्डर, ÷हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ÷ साहित्य एवं श्रीफल से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल दुलहरा श्री राजीव श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष संजय कुमार निगम, जिला सचिव शीलवंत तिवारी, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण मौर्य के द्वारा कर्तव्य बोध के विषय में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में जिला कोषाध्यक्ष तरुणेन्द्र द्विवेदी, नगर इकाई अध्यक्ष अमिता मरकाम, सचिव हेतराम साहू, निशांत सिंह,प्रणय त्रिपाठी, लाल सिंह राठौर, पूर्व तहसील अध्यक्ष प्यारेलाल साहू,श्रीमती अनुराधा चतुर्वेदी, अंजनी रौतिया, शमीम खान, विनीत कुमार पटेल, उषा किरण मिंज, मेखेस नामदेव, सुश्री सेलिना बरवा, हेमन्ती खेस्स, नीलेश द्विवेदी के साथ विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम का सफल संचालन संभागीय संगठन मंत्री डॉ नरेन्द्र पटेल के द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी रामभरोसे प्रजापति के द्वारा किया गया।

सहारा हॉस्पिटल जो की मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल है द्वारा जिला भिंड के मालनपुर में निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर संपन्न

ग्वालियर ।

सहारा हॉस्पिटल महलगांव सोफिया कॉलेज कैंपस सिटी सेंटर ग्वालियर द्वारा आज 18 जनवरी 2026 को जिला भिंड के उद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में सहारा हॉस्पिटल के संचालक सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ ए एस भल्ला एमबीबीएस एमएस नाक कान गला रोग तथा ग्वालियर चंबल संभाग के वरिष्ठ सर्जन द्वारा निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर शासकीय संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालनपुर में सुबह 10ः00 से 2ः00 तक लगाया गया मालनपुर के आसपास गांव के मरीज ने शिविर में आकर अपना नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा परामर्श प्राप्त किया शिविर की ओपीडी में क्षेत्र की जनता ने बढ़-चढ़कर भाग लिया चिक्त्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा नेत्र परीक्षण भी किया गया जिनमें से पांच मरीज आंखों के तथा पांच मरीज मेडिसिन के ने अपना पंजीयन कराया सहारा हॉस्पिटल की गाड़ी में भर्ती होने के लिए साथ में ही आए तथा केई मरीज ने बाद में सहारा हॉस्पिटल में भर्ती होने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया ज्ञात रहे की सहारा हॉस्पिटल निःशुल्क मरीज को लाने के लिए एंबुलेंस उपलब्ध कराता है इसके अलावा आयुष्मान योजना अंतर्गत मरीज का निशुल्क इलाज किया जाता है तथा स्वास्थ्य बीमा धारकों का भी कैशलेस इलाज किया जाता है सहारा हॉस्पिटल में 24 घंटे सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज किया जाता है इमरजेंसी सेवाएं भी उपलब्ध हैं एमएलसी सुविधा भी अस्पताल में है सहारा हॉस्पिटल में ड्रामा सेंटर है उच्च क्वालिटी की ऑपरेशन थिएटर है जो सभी सुविधाओं से सुसज्जित है डायलोसिस भी की जाती है कई महिलाओं के पेट से ट्यूमर निकल जा रहे हैं तथा पथरी का सफल और

ऑपरेशन किया जा रहा है बच्चे महिला पुरुषों सभी का इलाज किया जाता है तथा आंखों का भी इलाज किया जाता है सभी प्रकार की सर्जरी की सुविधा सहारा हॉस्पिटल में है मरीजों को सहारा हॉस्पिटल में लाने के लिए निशुल्क एंबुलेंस सेवा भी उपलब्ध है तथा मरीजों एवं उनकी अटेंडरों को सहारा हॉस्पिटल में अस्पताल के मालिक संचालक डॉक्टर ए एस भल्ला द्वारा निःशुल्क भोजन दोनों समय उपलब्ध कराया जाता आज मालनपुर में लगाए गए शिविर में विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका समाजसेवी श्रीमती दीपा भदौरिया तथा उनके पति प्रोफेसर भदोरिया समाजसेवी तथा विद्यालय के व्याख्याता डीके गांधी का विशेष योगदान रहा तथा प्रचार प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इनके साथ-साथ चीनोर के वरिष्ठ समाज सेवी निरपटत सिंह किरार राम रतन जाटव खूब अच्छा सहयोग किया अंत में शिबिर समाप्त होने के उपरांत डीके गांधी की ओर से सहारा हॉस्पिटल की मालनपुर गई टीम को नाश्ता कराया गया तथा श्रीमती दीपा भदौरिया की ओर से सहारा हॉस्पिटल के शिविर में गए समस्त स्टाफ को मामा होटल मालनपुर में भोजन कराया गया समस्त स्टाफ ने उपरोक्त सभी साथियों का और सहयोग कर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया ज्ञात रहे की पूर्व में सहारा हॉस्पिटल 19 , बसंत विहार ग्वालियर में संचालित था जो अब महल गांव सोफिया कॉलेज केंपस सिटी सेंटर मैं संचालित हो रहा है सहारा हॉस्पिटल महलगांव सोफिया कॉलेज केंपस सिटी सेंटर ग्वालियर में कठिन से कठिन बीमारी से ग्रस्त मरीजो का इलाज किया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा के नन्हे सिपाहियों को पुलिस अधीक्षक का संदेश बच्चों से की अपील, परिवार को ट्रैफिक नियमों के प्रति करें जागरूक

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ
एमसीबी/ मनेंद्रगढ़।

जिला पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह ने सड़क सुरक्षा को लेकर बच्चों को ÷नन्हा सिपाही÷ बताते हुए एक विशेष संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में बच्चों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है क्योंकि उनकी बात का असर परिवार के बड़ों पर सबसे अधिक होता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा की ड्यूटी के दौरान उन्होंने कई दर्दनाक सड़क हादसे देखे हैं जो अक्सर छोटी सी लापरवाही के कारण होते हैं। लोग यह सोचकर नियम तोड़ देते हैं कि कुछ नहीं होगा लेकिन ऐसे हादसे पूरे परिवार को जीवन भर का दुख दे जाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बच्चों की मासूम आवाज़ और समझाइश, चालान और जुर्माने से कहीं अधिक प्रभावी साबित हो सकती है। श्रीमती रत्ना सिंह ने बच्चों को ÷स्पेशल ट्रैफिक वॉलिंटियर÷ घोषित करते हुए उनसे अपील की कि वे अपने घर के सदस्यों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के लिये प्रेरित करें। उन्होंने हेलमेट पहनने, शराब पीकर वाहन ना चलाने, वाहन में वैध नंबर प्लेट लगाने, बिना लाइसेंस वाहन ना चलाने तथा तेज रफ्तार और स्टंट से बचने जैसे नियमों पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने बताया कि दोपहिया वाहन चलाते समय आईएसआई मार्क वाला हेलमेट पहनना जीवन की सुरक्षा के लिये अनिवार्य है। शराब पीकर वाहन चलाना स्वयं के साथ-साथ दूसरों की जान के लिये भी गंभीर खतरा है। बिना नंबर प्लेट और बिना लाइसेंस वाहन चलाना कानूनन अपराध होने के साथ साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ाता है।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह ने 'राहवीर योजना' की जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुँचाने वाले नागरिक को पुलिस द्वारा परेशान नहीं किया जाता बल्कि उसे 25,000 रुपये नगद पुरस्कार और सम्मान प्रदान किया जाता है। अंत में उन्होंने कहा कि जब बच्चे अपने माता-पिता और बड़ों से सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील करते हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सड़क सुरक्षा केवल कानून नहीं बल्कि परिवार और समाज की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। उन्होंने सभी से मिलकर सड़कों को सुरक्षित और खुद को जिम्मेदार बनाने का आह्वान किया।

बैंकिंग एवं विकास योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

विदिशा।

को कलेक्टर कार्यालय के वेतवा सभाकक्ष में आज कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। भारतीय स्टेट बैंक (अग्रणी बैंक) द्वारा आयोजित इस बैठक में समस्त शासकीय विभागों की प्रगति की पी.पी.टी. प्रस्तुत की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय श्री ओम प्रकाश सनोडिया जी, जिला पंचायत कार्यालय विदिशा , श्रीमती जगप्रीत कौर, जिला विकास प्रबंधक, नावार्ड श्री भगवान सिंह बघेल जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक एवं श्रीमती श्रद्धा नोहारे क्रेडिट मेनेजर एवं श्री नरेंद्र मेहरा , मेनेजर वित्तीय समावेशन एस.बी.आई. क्षेत्रीय कार्यालय विदिशा, जिले के समस्त बैंकों के नोडल अधिकारी तथा एस.आर.एल.एम. जिला पंचायत, जिला व्यापार उद्योग केंद्र, जिला शहरी विकास अभिकरण, पशुचिकित्सा विभाग आदिवासी वित्त विकास निगम, मत्स्य उद्योग, उद्यानिकी एवं अन्य विभाग प्रमुख उपस्थित हुये। बैठक मे माननीय कलेक्टर महोदय द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से जिले की बैंकिंग गतिविधियों, वित्तीय समावेशन और समस्त शासकीय ऋण योजनाओं के विभागों की बैंक शाखा वार प्रगति की गहन समीक्षा की गई तथा बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया माननीय कलेक्टर महोदय एवं सी.ई.ओ महोदय जिला पंचायत द्वारा समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले के अनबैंक ग्रामीण क्षेत्रो मे बी.सी. कियोस्क खोले जाये तथा एस.आर.एल. विभाग के बैंक सखियों क प्राथमिकता पर कियोस्क आवंटित किये जाये।

पहरा ड्यूटी के दौरान बड़ा कदम, फोन पटकने के बाद आरक्षक ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ /शहडोल

शहडोल पुलिस लाइन स्थित रक्षित केंद्र में पहरा ड्यूटी के दौरान एक आरक्षक द्वारा आत्महत्या किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना बीती रात लगभग 1ः25 बजे की है, जब क्वार्टर गार्ड ड्यूटी पर तैनात आरक्षक शिशिर सिंह राजपूत (29) ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सूत्रों के अनुसार, घटना से कुछ समय पहले आरक्षक मोबाइल फोन पर किसी से बातचीत कर रहा था। बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर तनाव बढ़ गया, जिसके बाद उसने गुस्से में मोबाइल फोन जमीन पर पटक दिया। मोबाइल टूटने के तुरंत बाद आरक्षक ने सर्विस राइफल से गर्दन/दाढ़ी के पास गोली मार ली, जो सिर से आर-पार हो गई।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। मौके से टूटा हुआ मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी हुई है। मृतक आरक्षक शिशिर सिंह राजपूत पिता स्वर्गीय शरद सिंह, मूल रूप से जबलपुर जिले का निवासी था। उसे वर्ष 2013 में अनुकंपा नियुक्ति के तहत बाल आरक्षक बनाया गया था। वर्ष 2015 में 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद वह नियमित आरक्षक के पद पर नियुक्त हुआ। परिवार में उसकी मां और तीन बहनें हैं। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर है। परिजनों को सूचना देकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

घर से टी20 विश्व कप देखना अजीब लगेगा, मैं हर संस्करण का हिस्सा रहा हूं : रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने कहा कि अब तक हर टी20 विश्व कप खेलने के बाद घर से मैच देखना थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की कमी महसूस नहीं होती, लेकिन विश्व कप का अनुभव उन्हें जरूर याद आएगा और उन्होंने स्टेडियम से मैच देखने की योजना बनाई है। 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद, वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा , विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। आगामी विश्व कप टूर्नामेंट नजदीक आने के साथ, भारत के विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि घर से टूर्नामेंट देखना थोड़ा अजीब लगेगा, खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने अब तक इस प्रतियोगिता के सभी संस्करणों में हिस्सा लिया है। 38 वर्षीय रोहित शर्मा ने कहा कि उन्हें भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की कमी महसूस नहीं होती, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्व कप बिल्कुल अलग है और उन्हें इसका हिस्सा बनने का अनूठा अनुभव याद आता है। रोहित शर्मा ने यह भी बताया कि वह स्टेडियम में कुछ मैच देखने की योजना बना रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट शानदार होगा। घर पर हम इसी बारे में बात कर रहे थे कि घर से मैच देखना थोड़ा अजीब लगेगा, खासकर टी20 विश्व कप। जब से इसकी शुरुआत हुई है, तब से लेकर अब तक मैं हर विश्व कप का हिस्सा रहा हूं, इसलिए यह अलग अनुभव होगा। जब मैं टीम को टी20 मैच खेलते देखता हूं, तो मुझे उतना अफसोस नहीं होता। लेकिन जब आप विश्व कप नहीं देख पाते, तो असलियत का एहसास होता है। तब आपको पता चलता है कि आप इसका हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इसलिए थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि, मैं स्टेडियम में कहीं न कहीं जरूर मौजूद रहूंगा। यह पहले जैसा नहीं होगा और एक अलग अनुभव होगा, लेकिन मैं वास्तव में इसके लिए उत्सुक हूं। यह बहुत ही शानदार होगा, रोहित ने जियोहॉटस्टार से बात करते हुए कहा। रोहित शर्मा ने आधुनिक क्रिकेट में संवाद के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने उस समय का जिक्र किया जब मोहम्मद सिराज को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया था और कप्तान होने के नाते रोहित ने उन्हें इसका कारण समझाया था।

क्या आरसीबी आईपीएल 2026 के मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी

केएससीए प्रमुख वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि क्या चिन्नास्वामी स्टेडियम आईपीएल 2026 के मैचों की मेजबानी कर सकता है। उन्होंने कहा कि शेष काम समय रहते पूरा कर लिया जाएगा और मैदान तैयार हो जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि मौजूदा चैंपियन ने अभी तक अधिकारियों को इस बारे में कोई सूचना नहीं दी है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने 21 जनवरी को आईपीएल 2026 के लिए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की उपलब्धता को लेकर उठ रही चिंताओं का जवाब दिया। बेंगलुरु में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व क्रिकेटर ने बताया कि राज्य प्रशासन ने कुछ शर्तों के पूरा होने पर आगामी सत्र में स्टेडियम में मैच आयोजित करने की अनुमति दे दी है। उन्होंने कहा कि कुछ चुनौतियां तो हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि केएससीए निर्धारित समय सीमा के भीतर स्टेडियम को तैयार कर लेगा। इसी बीच, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब गेंद आरसीबी के पाले में है, क्योंकि प्रबंधन ही तय करेगा कि मैच बेंगलुरु में खेले जाएं या नवी मुंबई और रायपुर में, जैसा कि उन्होंने पहले ही संकेत दिया है। वेंकटेश ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आरसीबी अपने सभी मैच, उद्घाटन मैच सहित, इसी शहर में खेलेगी। उन्होंने आगे कहा कि फ्रेंचाइजी ने अपनी योजनाओं के बारे में सरकार को कोई जानकारी नहीं दी है। मैं दिली उम्मीद और प्रार्थना करता हूं कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने सभी घरेलू मैच, उद्घाटन मैच सहित, यहीं खेले। हमें पूरा भरोसा है कि हम फरवरी के अंत तक कर्नाटक सरकार से बिना शर्त मंजूरी पत्र प्राप्त करने का काम पूरा कर लेंगे, वेंकटेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा।

वनडे इतिहास के सबसे उम्रदराज कप्तान नॉर्मन गिफोर्ड का 85 वर्ष की आयु में निधन

नॉर्मन गिफोर्ड ने 1964 से 1973 के बीच इंग्लैंड के लिए 15 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने दो वनडे मैच भी खेले और दोनों में इंग्लैंड के कप्तान रहे। वह वनडे क्रिकेट के अब तक के सबसे उम्रदराज कप्तान है गिफोर्ड 1964 और 1965 में काउंटी चैम्पियनशिप जीतने वाले वॉर्सेस्टरशायर के एक महत्वपूर्ण सदस्य थे। उन्होंने क्लब को 1974 में एक और खिताब और 1971 में संडे लीग का खिताब दिलाया। गिफोर्ड ने इंग्लैंड के लिए 15 टेस्ट मैच और दो वनडे मैच खेले। शारजाह में हुए रोथमैन फोर-नेशन्स कप में 44 वर्ष की आयु में उन्होंने दोनों ही मैचों में इंग्लैंड की कप्तानी की। वह वनडे क्रिकेट में अब तक के सबसे उम्रदराज कप्तान हैं। यह तब हुआ जब इंग्लैंड के कई प्रमुख खिलाड़ी, जिनमें कप्तान डेविड गोवर भी शामिल थे, टीम में नहीं खेल रहे थे। इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान दोनों के खिलाफ मैच हार गया; हालांकि, दूसरे मैच में गिफोर्ड ने 4/23 विकेट लिए। इसके बाद वे वारविकशायर चले गए, जहाँ उन्होंने पाँच सीज़न तक कप्तानी की और

1988 में 48 वर्ष की आयु में संन्यास ले लिया। नॉर्मन गिफोर्ड ट्रॉफी का नाम उनके सम्मान में रखा गया है। वारविकशायर और वॉर्सेस्टरशायर दोनों टीमें विटैलिटी ब्लास्ट में इस ट्रॉफी के लिए खेलती हैं। उन्होंने वॉर्सेस्टरशायर क्लब के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया और उन्हें मानद उपाध्यक्ष का पद प्रदान किया गया। इस बाएं हाथ के स्पिनर ने जून 1964 से जून 1973 तक 15 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान के लिए खेला। उन्होंने अपने करियर में 33 विकेट लिए, जिनमें कराची में पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल है। उनका इकॉनमी रेट 1.99 था और औसत 31.09 था। इंग्लैंड टीम में टोनी लॉक के होने के कारण गिफोर्ड का करियर ज्यादा समय तक नहीं चल सका। उन्हें अपने से पांच साल छोटे डेरेक अंडरवुड से भी कड़ी चुनौती मिली। हालांकि अंडरवुड और गिफोर्ड की बल्लेबाजी शैली में काफी अंतर था– गिफोर्ड की गेंदें हवा में धीमी गति से और निचले प्रक्षेप पथ से फेंकी जाती थीं–जिसके कारण उन्होंने 1972-73 के उपमहाद्वीप दौरे पर दो टेस्ट मैचों में एक साथ खेला, लेकिन अंततः अंडरवुड की बेहतर कलात्मकता ने ही गिफोर्ड के अवसरों को सीमित कर दिया।

IGNTU अमरकंटक में PES योजना के अंतर्गत कांट्रैक्चुअल भर्ती पर गंभीर सवाल, पारदर्शिता पर उठे प्रश्न

सूची और सूचनाओं को गोपनीय रखने का आरोप, इंटरव्यू प्रक्रिया पर भी सवाल

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर ।

अनूपपुर/भोपाल पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जुलाई 2025 में मध्यप्रदेश सरकार और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (द्व्तह्ज्ञ), अमरकंटक के सहयोग से भोपाल में पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA) से संबंधित उत्कृष्टता केंद्र (Centre of E&cellence) स्थापित करने हेतु समझौता ज्ञापन (स्र्ब्स) पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस पहल को जनजातीय क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को सुदृढ़ करने और PESA अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया था। हालांकि, इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत IGNT अमरकंटक में की जा रही कांट्रैक्चुअल रिक्रूटमेंट प्रक्रिया को लेकर अब गंभीर सवाल और संदेह सामने आ रहे हैं। विश्वविद्यालय में प्रभारी कुलपति प्रो. सौभाग्य रंजन पाढ़ी सहित प्रो. भूमि नाथ त्रिपाठी, प्रो. गौरीशंकर महापात्रा, तरुण ठाकुर और जयंत बेहरा की भूमिका को लेकर प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और वैधानिकता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

समर्थ पोर्टल को दरकिनार करने पर सवाल

दिनांक 02 दिसंबर 2025 को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर PESA योजना के अंतर्गत कांट्रैक्चुअल भर्ती का विज्ञापन प्रकाशित किया गया। हैरानी की बात यह है कि इस भर्ती के लिए विश्वविद्यालय के आधिकारिक समर्थ (Samarth) पोर्टल का उपयोग नहीं किया गया, जबकि IGNTU में अधिकांश भर्तियाँ इसी केंद्रीकृत पोर्टल के माध्यम से की जाती रही हैं। इसके बजाय आवेदन किसी अन्य माध्यम से आमंत्रित किए गए, जिससे प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

पर्सनल ई-मेल के उपयोग पर संदेह

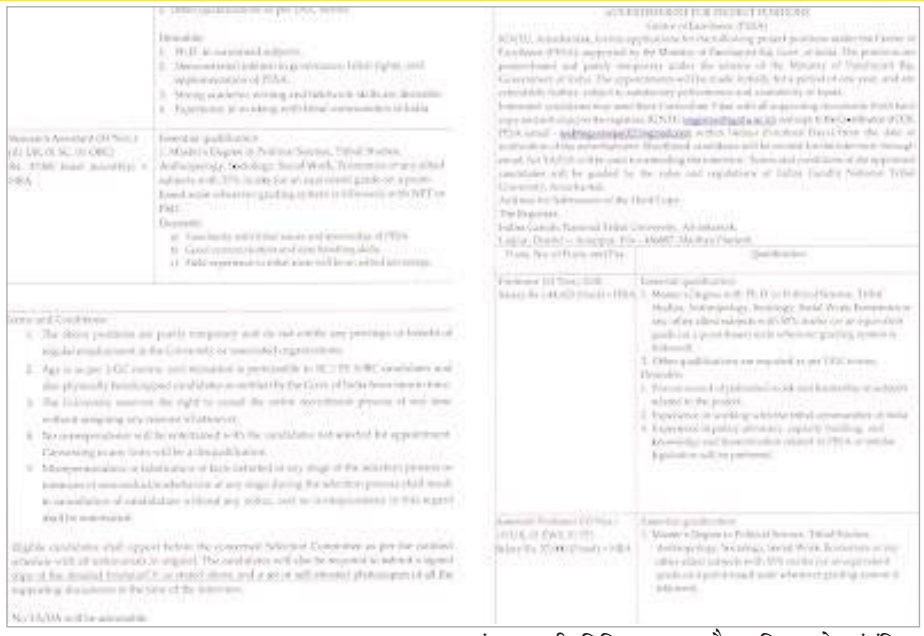

भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी सूचनाओं और संचार के लिए व्यक्तिगत (Personal) ई-मेल ID जैसे saubhagyaranjanxwvv@gmail.com के उपयोग की बात सामने आई है। जबकि PESA योजना से जुड़े पदाधिकारियों के विश्वविद्यालय डोमेन वाले आधिकारिक ई-मेल ID (जैसे srpadhi@igntu.ac.in) सार्वजनिक रूप से उपयोग में नहीं लाए गए। किसी केंद्रीय विश्वविद्यालय की भर्ती प्रक्रिया में पर्सनल ई-मेल का प्रयोग ब्ष्ट/केंद्रीय विश्वविद्यालयों के स्थापित प्रशासनिक मानकों के विपरीत माना जाता है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी IGNTU में इसी प्रकार पर्सनल ई-मेल के उपयोग के माध्यम से पीएचडी प्रवेश परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप लग चुके हैं।

सूची और सूचनाओं को गोपनीय रखने का आरोप

आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने और स्क्रूटनी के बाद भी Eligible और Non-Eligible उम्मीदवारों की प्रमाणित सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित नहीं की गई। इतना ही नहीं, शॉर्ट लिस्टेड कैंडिडेट को सूचना केवल व्यक्तिगत ई-मेल के माध्यम से दी गई, जबकि न तो वेबसाइट पर और न ही किसी सार्वजनिक माध्यम से कोई सूचना जारी की गई। इंटरव्यू की तिथि, स्थान और प्रक्रिया से संबंधित विवरण भी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। बताया जा रहा है कि 24 जनवरी 2026 को इंटरव्यू प्रस्तावित है, लेकिन अब तक इसकी कोई आधिकारिक सार्वजनिक सूचना जारी नहीं की गई है।

इंटरव्यू प्रक्रिया पर भी सवाल

सूत्रों के अनुसार प्रो. गौरीशंकर महापात्रा और जयंत बेहरा द्वारा कुछ उम्मीदवारों को व्यक्तिगत रूप से इंटरव्यू के लिए योग्य बताए जाने की जानकारी दी गई। वहीं यह भी आरोप हैं कि प्रो. भूमि नाथ त्रिपाठी और प्रो. महापात्रा मिलकर इंटरव्यू कमेटी का गठन इंटरव्यू की तिथि निर्धारणउम्मीदवारों के चयन जैसे महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं, जबकि इन निर्णयों से संबंधित कोई औपचारिक दस्तावेज़ या अधिसूचना सार्वजनिक नहीं की गई है।

अध्यक्ष पद को लेकर भी असमंजस

जब विज्ञापन जारी किया गया था, उस समय PES योजना के अध्यक्ष के रूप में प्रो. भूमि नाथ त्रिपाठी का नाम सामने आता है, जबकि वर्तमान में अध्यक्ष पद को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। यह प्रशासनिक अस्पष्टता अपने आप में गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

कम आवेदन अवधि और मीडिया में विज्ञापन का अभाव

आमतौर पर किसी भी भर्ती प्रक्रिया में कम से कम 30 दिनों की आवेदन अवधि निर्धारित की जाती है, लेकिन यहां केवल 16 दिनों में आवेदन प्रक्रिया बंद कर दी गई। इसके अतिरिक्त, न तो इस भर्ती का विज्ञापन किसी प्रमुख समाचार पत्र, न्यूज़ चैनल या Employment News में दिया गया, जो कि एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया मानी जाती है।

निष्पक्ष जांच की मांग

इन सभी तथ्यों के आधार पर विश्वविद्यालय में यह धारणा मजबूत हो रही है कि भर्ती प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियां और संभावित लूपहोल मौजूद हैं। आरोप यह भी हैं कि कुछ पदाधिकारी अपने करीबी या पसंदीदा उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय में पूर्व में भी घूसखोरी, भ्रष्टाचार और आर्थिक अनियमितताओं के आरोप सामने आते रहे हैं। दस्तावेजों के अनुसार प्रो. भूमि नाथ त्रिपाठी पर पहले भी वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े आरोप लग चुके हैं, जिससे यह मामला और गंभीर हो जाता है। उपरोक्त परिस्थितियां PESA योजना जैसी संवेदनशील और जनजातीय हितों से जुड़ी परियोजना की विश्वसनीयता को आघात पहुंचाती हैं। विशेषज्ञों और विश्वविद्यालय समुदाय की ओर से मांग उठ रही है कि इस पूरी भर्ती प्रक्रिया की स्वतंत्र, निष्पक्ष और उच्चस्तरीय केंद्रीय जांच कराई जाए। साथ ही जांच अवधि के दौरान संबंधित पदाधिकारियों को शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों से पृथक रखा जाए तथा सभी दस्तावेज़, निर्णय और चयन प्रक्रिया सार्वजनिक की जाएं, ताकि पारदर्शिता हो सके।.

स्वच्छ जल अभियान के तहत अनिश्चितकालीन धरने के छठवें दिन ओबीसी विभाग ने मोर्चा संभाला

जबलपुर । जबलपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा के आव्हान पर नगर निगम के खिलाफ स्वच्छ जल क्रांति अभियान के तहत अनिश्चितकालीन धरना छठवें दिन ओबीसी विभाग शहर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज पटेल मध्य प्रदेश प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग प्रदेश उपाध्यक्ष टीकाराम

कोष्टा ने कहा कि ने कहा कि इंदौर में जो जहरीले पानी से घटना घटी है वह शासन प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है जबलपुर नगर निगम समय रहते हुए नाली नालों से गुजर रही टूटी पाइपलाइन का सुधार करें। धरने में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा पूर्व विधायक विनय सक्सेना प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग)टीकाराम कोष्टा, शहर अध्यक्ष ओबीसी पंकज पटेल , प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी , सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी, सिद्धांत जैन, सुनील कुकरेले बृजेश दुबे, घनश्याम चक्रवर्ती ,रेखा झरिया सुशीला कनौजिया पूर्णिमा निगम अशोक यादव राजेंद्र राखी सराफ विवेक यादव शिवकुमार सोनी साहिल यादव सुरेंद्र यादव शिवकुमार चौबे अन्नपूर्णा दुबे श्याम सोलंकी बृजेश पटेल मोनू अग्रवाल कैलाश ठाकुर आरती ठाकुर आदि ने शहर में दूषित एवं जहरीले पानी सप्लाई किए जाने के आरोपों को लेकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि जबलपुर वासियो को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने महापौर आयुक्त शीघ्र ध्यान दें जिससे शहर वासियों को स्वच्छ जल के नाम पर जहरीले दूषित जल की सप्लाई रोकी जा सके !

शंकरपुर भदौरा रेलवे स्टेशन में एक्सप्रेस ट्रेनों की स्टॉपेज की मांग को लेकर प्रभावित गांव वासियों ने हड़ताल करने की ठानी

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ
सीधी/ शंकरपुर भदौरा

28 जनवरी 2026 को शंकरपुर भदौरा रेलवे प्लेटफार्म पर गांधीवादी नीति से प्रदर्शन। जेल भरो आंदोलन का बिगुल बजा कर साठ सत्तर गांव के ग्रामीण सवेरे 6ः00 से चक्का जाम आंदोलन में शामिल होंगे इस बार आन्दोलन आर -पार की लड़ाई होगी, झूठा आश्वासन देकर जनता को शासन प्रशासन रेलवे मंडल ठगने का कारण बतायेंगे।अभि ब्यक्त का मामला अपना अधिकार जनता जानती है। यह हड़ताल क्षेत्रीय जनता की अभिव्यक्ति का आगाज फिर गुंजेगा यह किसी राजनीतिक पार्टी से नहीं बल्कि क्षेत्रीय जनता की मांग है। ठीक छः बजे सुबह सुबह क्षेत्रवासी पहुंचकर गांधीवादी नीति से प्रदर्शन में शामिल होंगे। कुसमी जनपद के बयालिस गांव, मझौली जनपद के बीस गांव इस बार सामुहिक रूप से हड़ताल पर सहयोग प्रदान करने की ठानी है। अठ्ठाइस जनवरी दो हज़ार छब्बीस को ठीक छः बजे सुबह सुबह भदौरा रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस स्टापेज में हड़ताल का हिस्सा बनेंगे। खासकर ट्ठभदौरा, शंकरपुर, धुआं डोल,निधपुरी,दरिमाडोल,महखोर धनसेर, खोखरा, खजुरिहा, हिनौता, देवरी, कंजवार, कमचढ़,पोंड़ी, नदहा, परासी, टिकरी, शेर, सिकरा, डोल,बरम बाबा, सीधी, नेबुहा, गोतरा, रामपुर,ठाड़ीपाथर, टंकसार,कमछ,करौंटी, साजाडोल,बजवयी, आदि लगभग पांच दर्जन गांवों को लेकर यह आन्दोलन को समर्थन मिल रहा है।

सुबह छः बजे से शुरू।

स्थल शंकरपुर भदौरा रेलवे स्टेशन के पास।

सबेरे छः बजे सुबह सुबह सब काम छोड़कर शंकरपुर भदौरा रेलवे स्टेशन पर पहुंचे क्षेत्रीय जनता।लंच बॉक्स की जनता के लिए पूरी व्यवस्था दुरुस्त।आम जनता से जुड़े हुए यह लाभ... पधारें सादर आप को समय पर सही नजर रखें ठीक छः बजे यानी छः बजे।

अवनिंद्र सिंह गहरवार... द्वारा लोगों से की गई अपील

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)